परिपाहि मां नृहरे

रागम्: मोहनम् ताळम्: रूपकम्

(श्री स्वाति तिरुनाळ् विरचित)

पल्लवि

परिपाहि मां नृहरे मुरारे

अनुपल्लवि

सरसिजभवनुत साधुलोकभयापह

चरणम्

शरणागताधिहरण देवदेवेश शतमन्युनुत
चरण वरतापसहृदयपारिजात कळहंस ॥ १ ॥

दनुजनिकरदमन धन्यकयाधूतनय सङ्कटशमन
जनितभुवनभीति कनककशिपुकाल ॥ २ ॥

शमलशलभ दीपभक्त वीक्षणशमितनिस्तुलकोप
कमलदळनयन कमलनाभ सततम् ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇